26/6/24

पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता श्रम वादी हाजिर/वादी स्वयं हाजिर आया। प्रार्थी पत्र प्रस्तुत कर पत्रावली आगे नहीं चलाना चाहता है। विड्रो करने का निवेदन किया। पत्रावली अवलोकन। प्रार्थना पत्र पर मनन कर प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। पत्रावली इसी स्तर पर खारिज की जाती है। पत्रावली मौसलल होकर बाद [illegible] दफ्तर हो।

जसवन्तसिंह

Signature Not Verified
Digitally signed by Amita Bishnoi
Date: 2024.06.26 12:51:57 IST
Reason: SelfAttested